

पाठ- 4 अब बतलाओ

प्रस्तावना, आदर्श पठन, नए शब्द



CLASS: IV

SESSION NO : 1

SUBJECT : (HINDI)

CHAPTER NUMBER: 4

TOPIC: अब बतलाओ

SUB TOPIC: प्रस्तावना, आदर्श पठन, नए शब्द

CHANGING YOUR TOMORROW



पाठ 4 अब बतलाओ

चिंतन-मनन

पशुओं में अनुशासन का कोई महत्व नहीं है, इसलिए ही उनका जीवन आतंकित व असुरक्षित रहता है।





कोने में बिल्ली जो देखी
भागा चूहा आँख बंदकर ।
पीछे-पीछे बिल्ली दौड़ी
तेज़ चाल से उछल-उछलकर ॥

चूहे को कुछ पता नहीं था
गहरा कुआँ पड़ा सामने।
आँख बंद होने के कारण
पानी में गिर लगा काँपने ।





बिल्ली रानी लगी सोचने
अब मैं कैसे भूख मिटाऊँ।
कौन यत्न कर मैं चूहे को
पानी से बाहर ले आऊँ ।

चुपके चुपके गई, कहीं से
रस्सी एक ढूँढ़कर लाई ।
फिर उसने वह जल्दी-जल्दी।
कुएँ के अंदर लटकाई ।।



चूहे ने वह रस्सी पकड़ी
और साथ ही ऊपर ताका।
उसी समय बिल्ली रानी ने
कुएँ में नीचे था झाँका ॥

मेरे साथी अब बतलाओ
चूहा क्या ऊपर आएगा?
या रस्सी को छोड़ कुएँ के
पानी में ही मर जाएगा?

नए शब्द

अनुशासन

असुरक्षित

आतंकित

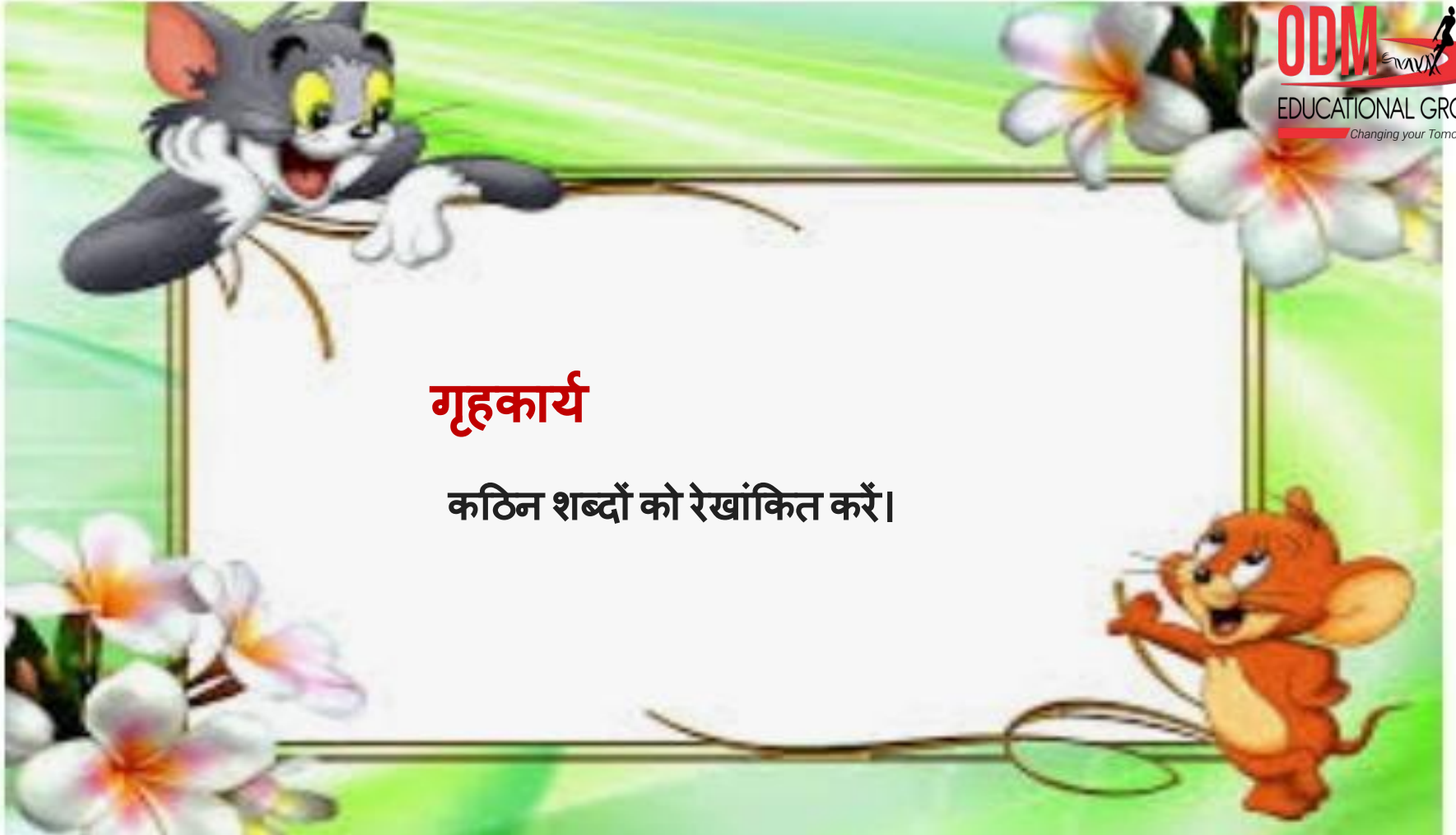
ताका

यत्न



गृहकार्य

कठिन शब्दों को रेखांकित करें।





शिक्षण प्रतिफल

बच्चे “हमेशा डरते रहने से अच्छा तो यह है कि खतरे का एक बार सामना कर ही लिया जाए- के बारे में जानकारी प्राप्त किए



THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP